साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 163 | जौनपुर, शुक्रवार, 31 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

ठाणे में अवैध रूप से रह रहीं बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में अवैध रूप से रह रहीं बांग्लादेशी चार महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अवैध प्रवासियों को किराए पर अपना मकान देने वाले मालिक की तलाश की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने मंगलवार शाम मनोरपाड़ा में स्थित नगर निकाय के पुनर्वास 'चॉल' पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि वहां एक कमरे में 38 से 50 साल की उम्र की चार बांग्लादेशी महिलाएं रह रही थीं। जांच के दौरान वे भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सकीं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उन चारों महिलाओं को गिरफ्तार करने के बाद उनके और मकान मालिक के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नोएडा में जीप से कुचलकर 15 वर्षीय लड़के की मौत

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा सेक्टर–145 के निकट एक तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने 15 वर्षीय लड़के को कुचल दिया, जिसके बाद घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान नलगढ़ा गांव के निवासी आरुष के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सोमेश नामक व्यक्ति ने बीती रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29 जनवरी को शाम के समय उनका बेटा आरुष सेक्टर 145 मेट्रो स्टेशन के पास सर्विस रोड पर पैदल जा रहा था, तभी काले रंग की तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने उसे टक्कर मार दी, जिसके बाद घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीडिया प्रभारी ने कहा कि पीड़ित ने पुलिस को बोलेरो का पंजीकरण नंबर बताया है, उसके आधार पर वाहन चालक की तलाश जारी है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े सात लोग गिरफ्तार

मणिपुर, (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने पिछले दो दिन में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े सात लोगों को मणिपुर के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने यहां एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के तीन सदस्यों और 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट–कोइरेंग' (यूएनएलएफ–के) के एक सक्रिय सदस्य को मंगलवार को तेंगनौपाल जिले में भारत–म्यांमा सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' के दो सदस्यों को बुधवार को गिरफ्तार किया। उन्हें इंफाल के पाओना बाजार क्षेत्र में जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, उनके पास से हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन से मिलता विश्व शांति का मार्ग : योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम हजरतगंज चौराहे पर स्थापित बापू की प्रतिमा पर पहुंचे थे। इस दौरान बच्चों ने बापू की पुण्यतिथि पर स्वरांजलि दी। सीएम योगी भी बच्चों के साथ स्वरांजलि में हिस्सा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी को याद करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा स्वाधीनता आंदोलन के महानायक, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत–शत नमन! श्रद्धेय बापू की शिक्षाएं और उनका त्यागमय जीवन विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आइए, बापू के दिखाए सत्य, अहिंसा व स्वदेशी के मार्ग पर चलकर हम सभी नए भारत–विकसित भारत के निर्माण हेतु संकल्पित हों।" सीएम योगी ने बच्चों के साथ स्वारांजलि में हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों 'रघुपति राघव राजाराम...', वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे...' जैसे गीतों को मधुर स्वर में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद सीएम योगी ने बच्चों के साथ फोटो भी खिंचाई। इस दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, राजेश्वर सिंह, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लाल जी प्रसाद निर्मल आदि गणमान्य लोगों ने भी बापू को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की है।

सेवानिवृत सैनिकों की पेंशन के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार को सेना के सेवानिवृत कर्मियों की पेंशन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने केंद्र से रिटार्यड सैनिकों की पेंशन के मुद्दे पर नीति बनाने का निर्देश दिया। सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने सेवानिवृत रेडियो फिटर को दिव्यांगता पेंशन देने का आदेश दिया था। ट्रिब्यूनल के इस आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस कदम के प्रति नाराजगी जाहिर की। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइंया की पीठ ने कहा कि श्सेना के एक जवान ने 15–20 साल सेना में सेवा दी और सशस्त्र बल ट्रिब्यूनल ने उन्हें पेंशन देने का आदेश दिया था। फिर इन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में क्यों खींचा गया? सरकार को इस मामले में व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।श पीठ ने कहा कि हमारा ऐसा मानना है कि केंद्र सरकार को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें सशस्त्र बलों के जवानों को सुप्रीम कोर्ट में खींचने की समीक्षा हो सके। पीठ ने कहा कि इस तरह से सैनिकों के हौसलों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सुरजागढ़ खदान आगजनी मामले में सुनवाई अगले हफ्ते के लिए टाल दी है। यह सुनवाई वकील सुरेंद्र गाडलिंग की याचिका पर होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पेश होने वाले एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे की अनुपस्थिति के चलते मामले की सुनवाई

राष्ट्रपति मुर्मू-पीएम मोदी ने दी बापू को दी श्रद्धांजलि राहुल-खरगे ने भी याद किया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथी पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज नेताओं ने बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुर्मू ने गांधी की समाधि राजघाट पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और मनोहर लाल खट्टर समेत अन्य नेताओं ने भी गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही बापू की याद में दो मिनट का मौन भी रखा गया। महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथी पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गांधी के आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही उन्होंने अपने देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने बापू की 77वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लिखा कि गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। उन्होंने आगे लिखा कि सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती हैं दृ पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत–शत नमन। महात्मा गांधी की पुण्यतिथी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बापू को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आप मुझे बेड़ियों से जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, आप इस शरीर को खघ्त्म भी कर सकते हैं, लेकिन आप मेरे विचारों को कैद नहीं कर सकते। महात्मा गांधी बलिदान दिवस पर बापू को विनम्र श्रद्धांजलि। "आप मुझे बेड़ियों से जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, आप इस शरीर को खघ्त्म भी कर सकते हैं, लेकिन आप मेरे विचारों को कैद नहीं कर सकते।" महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बापू को याद किया। उन्होंने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें मेरी श्रद्धांजलि। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत, जो हमारे सभ्यतागत मूल्य और संस्कृति से प्रेरित थे, न केवल हमारी स्वतंत्रता संग्राम को मार्गदर्शन देते थे, बल्कि उन्होंने दुनिया भर में मानवीय गरिमा, आत्मनिर्णय और स्वतंत्रता के लिए भी कई आंदोलनों को प्रेरित किया। गांधी जी का श्स्वदेशीश और श्ग्राम स्वराजश का विचार आज भी हमारे समय में बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी अनमोल शिक्षाएं और सिद्धांत भारत को लगातार प्रगति, विकास और एकता की दिशा में आगे बढ़ाते रहें।

सेना को सौंपा जाए पूरा प्रबंधन, जिम्मेदार नैतिकता के आधार पर दें इस्तीफा : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में आए संत समाज और श्रद्धालुओं में व्यवस्था के प्रति भरोसा जगाने के लिए महाकुंभ का प्रशासन और प्रबंधन उत्तर प्रदेश शासन के बजाय तत्काल सेना को सौंप देना चाहिए। विश्वस्तरीय व्यवस्था के दावा करने वालों को इस हादसे में मारे गए लोगों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना पद त्याग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं की सरकार अच्छे से अच्छा इलाज कराए। मृतकों के शवों को चिह्नित करके उनके परिजनों को सौंपने और उन्हें उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए। जो लोग बिछड़ गए हैं, उन्हें मिलाने के लिए प्रयास किए जाएं। महाकुंभ में हेलीकाप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए। अखिलेश यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं से भी हमारी अपील है कि वे इस कठिन समय में संयम और धैर्य से काम लें और शांतिपूर्वक अपनी तीर्थयात्रा संपन्न करें। प्रयागराज की ओर जाने वाले मार्गों को बंद करने से करोड़ों लोग सड़कों पर फंस गए हैं। सरकार को इसे शासन–प्रशासन की लापरवाही से जन्मी आपदा मानकर तुरंत सक्रिय हो जाना चाहिए। सूर्यास्त से पहले ही श्रद्धालुओं तक भोजन–पानी की राहत पहुंचानी चाहिए और उनमें ये भरोसा जगाना चाहिए कि सबको सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था प्रदेश और केंद्र सरकार करेगी।

मायावती ने गरीब विरोधी राजनीति पर चिंता जताई, बसपा को 'सच्ची आंबेडकरवादी' पार्टी बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बढ़ती गरीब विरोधी, पूंजीवादी राजनीति और जातिगत व सांप्रदायिक द्वेष पर बुधवार को चिंता व्यक्त की। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली में पार्टी नेताओं की अखिल भारतीय बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बसपा सुप्रीमो ने पार्टी सदस्यों से बहुजन के लिए लड़ने का आह्वान किया। 'बहुजन' मुख्य रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यकों को संदर्भित करता है। मायावती ने कहा कि बसपा की लड़ाई बहुजन समुदायों का शासन सुनिश्चित करने के लिए है, ताकि गरीब, दलित, आदिवासी, ओबीसी, मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक सम्मानजनक जीवन जी

सकें। उन्होंने पार्टी सदस्यों से संगठन को मजबूत करने और सभी समुदायों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को इस आंदोलन में शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, बसपा एक कैडर आधारित पार्टी है, कांग्रेस और भाजपा से अलग। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में अमीर–समर्थक, गरीब–विरोधी दलों के बढ़ते प्रभाव के कारण गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों के आरक्षण जैसे कानूनी अधिकार छिनने का खतरा पैदा हो गया है तथा वे और अधिक वंचित हो गए हैं। बसपा को एकमात्र सच्ची आंबेडकरवादी पार्टी बताते हुए उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर कमजोर सामाजिक समूहों के मुद्दों पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया।

प्रदूषित हो रही पलार नदी पर जांच के लिए पैनल गठित करने का सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली, (संवाददाता)। तमिलनाडु में चमड़े के कारखाने के चलते पलार नदी लगातार प्रदूषित होती जा रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट एक्शन में आती हुई नजर आ रही है, जिसके तहत सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को तमिलनाडु में पलार नदी में चमड़े के कारखानों से निकलने वाले अपशिष्टों के कारण हो रहे गंभीर प्रदूषण को कम करने के लिए कई आदेश दिए। बता दें कि यह मामला वेल्लोर जिले के पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ा हुआ था, जहां चमड़े के कारखानों के कचरे से पर्यावरणीय क्षति हो रही थी। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार अधिकारियों ने एक केंद्रीय अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित किया था, लेकिन अदालत ने कहा कि चमड़े के उद्योगों ने पर्यावरणीय नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया है, जिसके कारण प्रदूषण का स्तर कम नहीं हो सका। अदालत ने यह भी कहा कि वेल्लोर जिला निगरानी समिति ने जो नियम बनाए थे, उद्योगों ने उनका पालन नहीं किया। इसलिए अदालत ने कुछ निर्देश जारी किए और कहा कि यह आदेश निरंतर रहेगा, और अदालत समय–समय पर इसके पालन की समीक्षा करेगी। साथ ही न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने तमिलनाडु सरकार से जैविक क्षति का आकलन करने और उसे दूर करने के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक पैनल गठित करने को कहा। यह पैनल एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में होगा और इसमें पर्यावरण विशेषज्ञ और राज्य सरकार के अधिकारी शामिल होंगे। न्यायालय ने कहा कि चमड़े के कारखानों द्वारा नदी और आसपास के इलाकों में अनुपचारित अपशिष्ट बहाने से जल, भूमि और भूजल को भारी नुकसान हुआ है। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय किसानों और निवासियों की हालत खराब हुई है, और सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा हुआ है। अदालत ने प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने का आदेश दिया और कहा कि अगर प्रदूषणकारी उद्योगों से मुआवजा नहीं लिया गया, तो राज्य सरकार को यह राशि वसूलनी चाहिए। साथ ही मामले में न्यायालय ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर एक समिति गठित करनी होगी, जो पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई करने और इसे रोकने के उपायों की निगरानी करेगी। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि अगर इस आदेश का पालन नहीं किया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों को सजा दी जाएगी।

महाकुंभ के बाद हुए हैं ये बदलाव, नो-व्हीकल जोन, वीवीआईपी पास पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ में 29 जनवरी मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ मची थी। इस घटना में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 घायल हो गए है। घटना के एक

दिन बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच सख्त सुरक्षा उपाय लागू किए है। इसमें नो व्हीकल जोन भी शामिल है। लाखों तीर्थयात्री कुंभ मेले के महत्वपूर्ण दिन मौनी अमावस्या पर कुंभ पहुंचे थे, जहां ये हादसा हुआ। इस हादसे के बाद महाकुंभ के उप महानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने बुधवार को कहा कि भगदड़ की वजह संगम तक पहुंचने की कोशिश कर रहे तीर्थयात्रियों द्वारा बैरिकेड्स को धक्का देना था। घटना के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देर रात बैठक की। उन्होंने सीमा चौकियों पर होल्डिंग क्षेत्र स्थापित करके और प्रयागराज से वापसी मार्ग खुला रखकर भीड़ की आवाजाही को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। भगदड़ की न्यायिक जांच के आदेश जिए गए है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को महाकुंभ मेला क्षेत्र में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने, अनावश्यक रुकावटों को रोकने और भीड़ जमा होने से बचने का निर्देश दिया। भीड़ और यातायात प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और अयोध्या–प्रयागराज, कानपुर– प्रमुख मार्गों को साफ रखने का निर्देश दिया है। प्रयागराज से सभी वापसी मार्ग खुले और निर्बाध रहने चाहिए। प्रयागराज की सीमा से लगे जिलों से आने वाले वाहनों को जिले की सीमाओं पर ही रोक दिया जा रहा है और चार फरवरी तक शहर में चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई विशेष पास जारी नहीं किए जाएंगे तथा क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि सड़कों पर काम करने वाले पटरी विक्रेताओं को खाली स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि यातायात में कोई व्यवधान न हो। श्रद्धालुओं को जमीनी स्थिति के अनुसार आने–जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। मेले के सभी आयोजन स्थलों पर भोजन और पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि अमृत स्नान 3 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन होगा।

अरविंद केजरीवाल ने किया 7 गारंटी का ऐलान मोबाइल मोहल्ला क्लिनिक से सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल तक...

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सात गारंटियों की घोषणा की और कहा कि पहला सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल है। केजरीवाल ने दिल्ली में आप के सत्ता में लौटने पर अधिकारियों के आवासों पर कार्यरत सहायकों के लिए घर उपलब्ध कराने और कार्य नियम लागू करने का भी वादा किया। विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई स्टाफ सदस्य चला जाता है या किसी नए की जरूरत होती है, तो यह पोर्टल लोगों को उनकी उपलब्धता दर्ज करने की अनुमति देगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए मोबाइल मोहल्ला क्लिनिक भी स्थापित किया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं आप की ओर से सात गारंटियों की घोषणा कर रहा हूं। पहला सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल है। यदि कोई स्टाफ सदस्य चला जाता है या किसी नए की जरूरत होती है, तो यह पोर्टल लोगों को उनकी उपलब्धता दर्ज करने की अनुमति देगा। इसी तरह, स्टाफ की तलाश कर रहे नए अधिकारी उपयुक्त साथी ढूंढ सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से। इससे कई स्टाफिंग मुद्दों को कुशलतापूर्वक हल करने में मदद मिलेगी। केजरीवाल ने दिल्ली में आप के सत्ता में लौटने पर अधिकारियों के आवासों पर कार्यरत सहायकों के लिए घर उपलब्ध कराने और कार्य नियम लागू करने का भी वादा किया। तीसरी गारंटी है सरकारी कर्मचारीध्कर्मचारी का कार्ड बनवाया जाएगा। सर्वेंट हॉस्टलध्स्टाफ हॉस्टल बनाया जाएगा। दिल्ली सरकार के कर्मचारियों और कर्मियों के लिए भी ईडब्ल्यूएस मकान बनाए जाएंगे ताकि उन्हें लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि उनके लिए मोबाइल मोहल्ला क्लिनिक बनाए जाएंगे. उनके काम के घंटे, वेतन और कामकाजी परिस्थितियों के संबंध में नियम बनाए जाएंगे । और इसे आपराधिक अपराध बनाया जाएगा।

संपादकीय

महाकुंभ की त्रासदी

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर तड़के हुए हादसे में कुछ श्रद्धालुओं की मौत की घटना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। यूं तो अतीत में भी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक व उज्जैन के कुंभों के दौरान भी कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हम अतीत के हादसों से कोई सबक ले पाए हैं? यूं तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मेला प्रबंधन व सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त के दावे किए गए थे, लेकिन मौनी अमावस्या की घटना ने यह दुखद स्थिति पैदा कर दी है। करोड़ों तीर्थयात्रियों का अचानक किसी धार्मिक आयोजन में पहुंचना निश्चित रूप से शासन व प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती बन जाती है। लेकिन इसके बावजूद शासन–प्रशासन की प्राथमिकता दुर्घटना मुक्त आयोजन ही होना चाहिए। दरअसल, ऐसे आयोजनों में तीर्थयात्रियों की जल्दीबाजी और पहले स्नान करने की होड़ अकसर ऐसी भगदड़ पैदा कर देती है। जो बताती है कि हम सार्वजनिक जीवन में ऐसे बड़े आयोजनों में अनुशासित व्यवहार करने से चूक जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस बात का भी संकेत है कि कुंभ के आयोजनों में पिछले बड़े हादसों के सबक हम पूरी तरह सीख नहीं पाए हैं। हालांकि, शासन–प्रशासन को इस बात का अंदाज था कि इस बार करोड़ों की भीड़ जुटेगी, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं सावधानी में चूक तो हुई है। निस्संदेह, महाकुंभ का आयोजन भारतीय सनातन परंपरा का अटूट हिस्सा रहा है। बिना चिट्ठी व तार देश के कोने–कोने से तीर्थयात्री महाकुंभ में जुटते हैं। कल्पवास में संयमित जीवन से आध्यात्मिक लाभ अर्जित करते हैं। लेकिन बदलते वक्त के साथ यातायात के साधनों की उपलब्धता से ऐसे आयोजनों पर भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मीडिया की सक्रियता ऐसे आयोजन के प्रति अतिरेक आकर्षण पैदा कर देती है, जिससे श्रद्धालुओं का अप्रत्याशित सैलाब कुंभ नगरी की तरफ मुड़ जाता है। निश्चित रूप से समय के साथ आये सामाजिक बदलावों के मद्देनजर शासन–प्रशासन को महाकुंभ के आयोजन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। निश्चित रूप से महाकुंभ के आयोजन से जुड़े तंत्र को उन कारकों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जिसके चलते इस त्रासदी की छाया प्रयागराज महाकुंभ पर पड़ी। उन तमाम संभावनाओं पर विचार करने की जरूरत है जो कुंभ जैसे बड़े आयोजनों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में सहायक हो सकती हैं। हालांकि, प्रयागराज महाकुंभ में एआई, ड्रोन व कंप्यूटरों के जरिये व्यापक सुक्षा प्रबंधों की निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी भी अफवाहों व भगदड़ की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिये और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। तीर्थयात्रियों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि वे धैर्य के साथ अपनी स्नान की बारी का इंतजार करें। साथ ही अफवाहों व जल्दीबाजी से बचें। बताया जाता है कि प्रयागराज हादसे में भी कुछ तीर्थयात्रियों द्वारा स्नान में जल्दीबाजी करने तथा अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स पर चढ़ने पर मची अफरातफरी को कारण बताया गया। लेकिन इसके बावजूद पुलिस व अधिकारियों की चूक को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से वे भीड़ के मिजाज को समय रहते भांप लिया जाता तो शायद हादसे को टाला जा सकता। हालांकि, मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजा देने की घोषणा की गई है। साथ ही न्यायिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इसके बावजूद इस बात की गहन जांच जरूरी है कि स्थिति कैसे नियंत्रण से बाहर हो गई। यह एक निर्विवाद सत्य है कि गोपनीयता का पर्दा डालने से केवल अफवाहों व गलत सूचनाओं को ही बढ़ावा मिलता है। बहरहाल, आने वाले समय में श्रद्धालुओं को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने की भी जरूरत होगी कि वे अपने आसपास के घाट पर ही स्नान करके समान पुण्य अर्जित कर सकते हैं। यह भी कि संगम के सभी घाट समान रूप से पवित्र हैं। इससे चुनिंदा घाटों पर तीर्थयात्रियों का दबाव नहीं बनेगा। साथ ही श्रद्धालुओं को अनुशासित व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना भी बेहद जरूरी है। ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

अंतरिक्ष में सुनहरी कामयाबी की सौवीं उड़ान

मुकुल

भारत ने नए साल का शानदार आगाज करते हुए अंतरिक्ष में दो बड़े कीर्तिमान कायम कर दिए हैं। सबसे पहले इसरो ने 16 जनवरी को अंतरिक्ष में पहली बार दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ कर एक नया इतिहास रचा और इसके कुछ ही दिन बाद 29 जनवरी को उसने अपने ऐतिहासिक 100वें रॉकेट प्रक्षेपण के जरिए अपने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन (नौचालन) उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया। भारत को लंबे समय से अंतरिक्ष में अपने यानों की डॉकिंग का इंतजार था। सटीक गणनाओं और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से हासिल की गई यह उपलब्धि अंतरग्रहीय मिशनों और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। इसरो ने सीमित संसाधनों के साथ काम करने के बावजूद एक अत्यधिक परिष्कृत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। डॉकिंग के लिए दो उपग्रहों के बीच सही मिलान की आवश्यकता होती है, और इसमें अविश्वसनीय रूप से जटिल गणनाएं शामिल होती हैं। यह ऐसा काम नहीं है जो हर देश कर सकता है, लेकिन भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के समक्ष अपनी योग्यता साबित कर दी है। भविष्य में भारत की अंतरिक्ष में बड़ी–बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। भारत अंतरिक्ष में अपना स्थायी स्टेशन स्थापित करना चाहता है। अन्य बड़े लक्ष्यों में चंद्रमा से नमूने लाना और वहां मानव भेजना शामिल है। डॉकिंग की तकनीक इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पूरे देश और इसरो के वैज्ञानिकों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि भारत अंतरिक्ष में यान को डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) मिशन इसरो की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसरो के स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा लांच पैड से प्रक्षेपित किया गया था। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद लगभग 220 किलोग्राम वजन वाले दो अंतरिक्ष यानों को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। एक ही रॉकेट पर प्रक्षेपित किए गए दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में अलग हो गए। इसरो के डॉकिंग परीक्षण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेंगलुरु में इसरो कार्यालय में उपस्थित थे। सफल डॉकिंग के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।' स्पैडेक्स मिशन पर भेजे गए दो छोटे अंतरिक्ष यानों को एसडीएक्स 01 या चेजर और एसडीएक्स 02 या टारगेट कहा जाता है। लांच के बाद दोनों यान सावधानीपूर्वक चुनी गई गति से अंतरिक्ष में यात्रा कर रहे थे। उन्हें एक साथ अंतरिक्ष में भेजा गया था। लेकिन अलग होने के समय उन्हें अलग–अलग वेग पर रखा गया था ताकि वे अपने बीच 10–20 किलोमीटर की दूरी बना सकें। डॉकिंग के दौरान वैज्ञानिकों ने यानों की दूरी को कम करने के उपाय किए ताकि वे आपस में मिल सकें। स्पैडेक्स के लांच होने के समय एस. सोमनाथ इसरो प्रमुख थे और कुछ दिन पहले अपनी सेवानिवृत्ति तक इसकी प्रगति की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने डॉकिंग को 'एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया' के रूप में वर्णित किया था, जिसके लिए अत्यधिक सटीकता और समन्वय की आवश्यकता होती है। आने वाले दिनों में दोनों यानों की अनडॉकिंग (अलग होने) और उनके बीच पावर ट्रांसफर का परीक्षण किया जाएगा। चेजर यान से टारगेट यान में बिजली का हस्तांतरण एक बहुत महत्वपूर्ण प्रयोग है। इसकी सफलता से यह प्रदर्शित किया जा सकेगा कि अंतरिक्ष में तैनात अंतरिक्ष यान की आपूर्ति और सर्विस के लिए दूसरे यान को भेजा जा सकता है। यह मिशन अंतर–उपग्रह संचार के लिए भारत की क्षमताओं का भी परीक्षण करेगा क्योंकि डॉकिंग और अनडॉकिंग के दौरान अंतरिक्ष यान को पृथ्वी स्टेशन के साथ–साथ एक–दूसरे के साथ भी संवाद करना होगा ताकि वे एक–दूसरे की स्थिति और गति जान सकें। अंतरिक्ष यान में वैज्ञानिक उपकरण और कैमरे भी हैं जिन्हें बाद में तैनात किया जाएगा। अगले दो वर्षों में वे अंतरिक्ष में विकिरण को मापेंगे और पृथ्वी पर प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी करेंगे। इसरो अपने मिशनों को किफायती बनाने के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। वह तीन महीने तक कक्षा में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग करने के लिए स्पेसडेक्स को अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के एक हिस्से का भी उपयोग कर रहा है जो सामान्य परिस्थितियों में अंतरिक्ष मलबा बन जाता है। पोएम (पीएस4–ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल) में 24 पेलोड है और यह पहले ही दो सफल प्रयोग कर चुका है। पहले प्रयोग में उसने बीज अंकुरण का प्रदर्शन किया। इसरो ने एक वीडियो ट्वीट किया था जिसमें कहा गया था कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में अंतरिक्ष में लोबिया के अंकुरों ने अपने पहले पत्ते प्रकट कर दिए हैं। सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंतरिक्ष यान में अनुभव की जाने वाली लगभग भारहीनता जैसी स्थिति है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बीजों का अंकुरण बहुत अच्छी खबर है क्योंकि इसका मतलब है कि भविष्य के अंतरिक्ष यात्री लंबी अवधि के मिशनों के दौरान भोजन का उत्पादन कर सकते हैं। दूसरे प्रयोग में रोबोटिक भुजा शामिल है। यह रॉकेट के सबसे महत्वपूर्ण पेलोड में से एक है। इसरो के एक्स अकाउंट पर एक वीडियो में रोबोटिक भुजा को अंतरिक्ष मलबे के एक टुकड़े को पकड़ने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह भुजा अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि इसका उपयोग चीजों को पकड़ने और उन्हें सही जगह पर रखने के लिए किया जा सकता है। यह रोबोटिक भुजा चंद्रयान–4 में भी काम आएगी जो भारत का अगला चंद्रमा मिशन है जिसका प्रमुख उद्देश्य चंद्रमा की मिट्टी के नमूने एकत्र करना और उन्हें वापस लाना है। डॉकिंग के

बाद भारत की दूसरी बड़ी उपलब्धि इसरो की 100वीं रॉकेट उड़ान के रूप में सामने आई जब उसके शक्तिशाली जीएसएलवी–एफ15 रॉकेट ने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया। इसरो ने श्रीहरिकोटा से अपने प्रक्षेपण में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच वीकल (जीएसएलवी) का इस्तेमाल किया। एनवीएस–02 नेविगेशन उपग्रह को ले जाने वाले जीएसएलवी–एफ15 ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी और करीब 19 मिनट बाद रॉकेट ने एनवीएस–02 को 322.93 किमी की जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि इसरो ने छह पीढ़ी के रॉकेट प्रक्षेपित किए हैं। इन प्रक्षेपणों के माध्यम से 433 विदेशी उपग्रहों के 23 टन सहित कुल 120 टन वजन वाले 548 उपग्रह स्थापित किए गए हैं। एनवीएस–02, एनवीएस (नेविगेशनल सैटेलाइट) शृंखला का दूसरा उपग्रह है। यह भारत के नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (एनएवीआईसी) का हिस्सा है। इसरो के अनुसार एनएवीआईसी भारत की स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली है जिसे भारत तथा भारतीय भूभाग से लगभग 1,500 किलोमीटर आगे तक फैले क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति (पोजीशन) वेग (वेलोसिटी) तथा समय (टाइमिंग) सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो इसका प्राथमिक सेवा क्षेत्र है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रह्लाद

वित्तीय वर्ष 2024–25 की पहली छमाही (अप्रेल–सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल–जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5. 2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई–सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024–25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6. 8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है। केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025–26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए। फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैंकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैंकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है ।

बजट आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा?

ललित

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल–क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स–फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की

आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है। यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय–समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खघसकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं। बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। "मेक इन इंडिया" पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। "गरीब कल्याण अन्न योजना" का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा। यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या–क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है ।

गांधी ने किये थे फांसी रुकवाने के प्रयास

डॉ. रामजीलाल

भारत के तीन महान क्रांतिकारियोंकृभगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी। विरोधियों द्वारा दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि गांधी जी ने तीन महान क्रांतिकारियों की जान को बचाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। तथ्य बताते हैं कि गांधी जी ने उनका जीवन बचाने हेतु भरसक प्रयास किए। गांधी जी सत्य–अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से स्वतंत्रता चाहते थे। इसके बिलकुल विपरीत यह प्रचार किया जाता है कि भगत सिंह व साथी हिंसात्मक साधनों से स्वतंत्रता चाहते थे। भगत सिंह ने दो घटनाओंकृकेंद्रीय असेंबली बम कांड व जॉन सांडर्स की हत्या को छोड़कर कोई हिंसा नहीं की । उन्होंने माना विचारों से जागरूक व जनता को लामबंद करके ही क्रांति आ सकती है। भगत सिंह व साथियों द्वारा भी अहिंसात्मक तरीकों को अपनाया गया। 30 अक्तूबर, 1928 को साइमन कमीशन जब लाहौर रेलवे स्टेशन पर पर पहुंचा तो शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों द्वारा 'साइमन कमीशन गो बैक' के नारे लगाए गए। इसका नेतृत्व लाला लाजपत राय कर रहे थे। लाहौर के पुलिस अधीक्षक, जेम्स ए. स्कॉट ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। जिसके परिणाम स्वरूप 17 नवंबर, 1928 को लाजपत राय की मृत्यु हो गई। इस राष्ट्रीय अपमान का बदला लेने के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने जेम्स ए. स्कॉट को मारने की योजना बनाई। परंतु गलती से उन्होंने जेपी सांडर्स को मार दिया। फिर क्रांतिकारियों पर 'लाहौर षड्यंत्र केस' (1930) नाम से मुकदमा चला। 10 जुलाई, 1929 को मुकदमा शुरू हुआ। सात अक्तूबर, 1930 को ट्रिब्यूनल ने तीनों महान क्रांतिकारियोंकृभगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 24 मार्च, 1931 को फांसी देने की सजा की तिथि निर्धारित की। लेकिन जन आक्रोश को देखते हुए एक दिन पूर्व 23 मार्च, 1931 को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। अक्सर कहा जाता है कि महात्मा गांधी ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा से बचाने के लिए प्रभावशाली ढंग से प्रयास नहीं किया। दरअसल, गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन, हर्बर्ट एमरसन, यशपाल, मन्मथनाथ गुप्त इत्यादि का मानना रहा है कि गांधी–.इरविन दिल्ली समझौते की शर्तों में क्रांतिकारियों को फांसी से बचाने की शर्त नहीं रखी गई। दरअसल, महात्मा गांधी ने वायसराय को पत्र लिखा था, जिसमें फांसी को स्थगित करने की मांग की गई थी। इस दृष्टिकोण का समर्थन करने वालों में नेताजी सुभाष बोस, डॉ. पट्टाभि सीतारमैय्या, मीरा बेन, एडवोकेट आसिफ अली, इतिहासकार वीएन दत्ता, पत्रकार रॉबर्ट बर्नेज, भगत सिंह के एक साथी जितेन्द्र नाथ सान्याल, सी.एस. वेणु इत्यादि प्रमुख हैं। महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम 4 मई, 1930 को मुकदमे से संबंधित न्यायाधिकरण के गठन की आलोचना की थी। 11 फरवरी, 1931 को भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी की सजा से बचाने के लिए की गई अपील को प्रिवी कौंसिल (लंदन) द्वारा ठुकरा दिया गया। महात्मा गांधीदृइरविन समझौते के लिए 17 फरवरी, 1931 से 5 मार्च, 1931 तक मीटिंगें हुईं और पत्राचार भी हुआ। महात्मा गांधी ने 18 फरवरी, 1931 को गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन से फांसी को कम करने की बात की। महात्मा गांधी ने वायसराय से कहा, 'अगर आप वर्तमान माहौल को और अधिक अनुकूल बनाना चाहते हैं, तो आपको भगत सिंह की फांसी को स्थगित कर देना चाहिए। इरविन ने गांधी जी को उत्तर दिया, 'सजा कम करना कठिन है, लेकिन निलंबन निश्चित रूप से विचार करने योग्य है।' 7 मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने दिल्ली में एक सभा में कहा, 'मैं किसी को भी फांसी पर चढ़ाये जाने के लिए पूरी तरह सहमत नहीं हो सकता। भगत सिंह जैसे बहादुर व्यक्ति के लिए तो बिल्कुल नहीं।' 19 मार्च, 1931 को गांधी ने फिर से लॉर्ड इरविन से सजा कम करने की अपील की, जिसे इरविन ने मीटिंग की प्रोसिडिंग में नोट कर लिया। बीस मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने लॉर्ड इरविन के गृह सचिव हर्बर्ट इमर्सन से मुलाकात की। गांधी जी ने इरविन से 21 मार्च, 1931 और फिर 22 मार्च, 1931 को फिर मुलाकात की और उनसे सजा कम करने का आग्रह किया। 23 मार्च, 1931 को गांधीजी ने वायसराय को पत्र लिखा रू– 'शांति के हित में अंतिम अपील की आवश्यकता है।

महाकुंभ के बाद रामनगरी में भी लगातार उमड़ रहा है आस्था का सैलाब, लाखों की संख्या में श्रद्धालु मौनी अमावस्या के बाद से लगातार पहुंच रहे अयोध्या

अयोध्या। अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर मनाया गया है प्लान,पुलिस बैरिकेडिंग और होर्डिंग एरिया के साथ श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन का कर रही है प्रयास,भीड़ बढ़ने पर होर्डिंग एरिया में श्रद्धालुओं किया जा रहा है। एकत्रित,धीरे–धीरे शहर की तरफ श्रद्धालुओं को भेजकर कराया जा रहा है दर्शन पूजन सुगमता पूर्वक,आईजी और कमिश्नर अयोध्या लगातार अयोध्या धाम में है मौजूद, श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन की व्यवस्था को लगातार कर रहे हैं मॉनिटरिंग, रामनगरी में सुचारू रूप से लाखों की संख्या में श्रद्धालु कर रहे हैं दर्शन, अयोध्या में दर्शन पूजन के बाद उत्साहित दिखे।श्रद्धालु,श्रद्धालुओं ने अयोध्या की प्रशासनिक व्यवस्थाएं और सुगम दर्शन को लेकर राम मंदिर प्रशासन और अयोध्या जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज महाकुंभ में श्रीमहंत महामंडलेश्वर बनाए गए डॉ महेश दास उपाख्य स्वामी महेश योगी

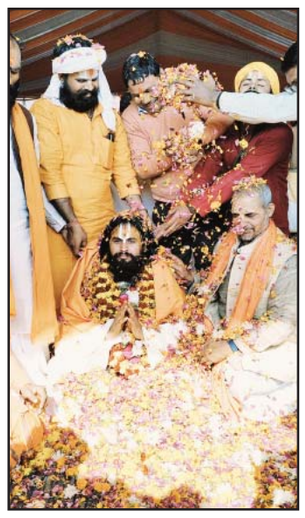

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी अयोध्या के लोकप्रिय संत, सुप्रसिद्ध योग गुरु डॉ. महेश दास उपाख्य स्वामी महेश योगी जी को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रयागराज की पवित्र भूमि पर 144 वर्ष बाद आयोजित महाकुंभ में श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अनि अखाड़ा के अध्यक्ष, निर्वाणी पीठाधीश्वर श्री महंत मुरलीध ार दास जी ने अपने निर्वाणी अखाड़े में डॉ. महेश दास उपाख्य स्वामी महेश योगी जी को अखाड़ा के विधि विधान के अनुसार चादर ओढ़कर श्री श्री 1008 श्रीमहंत महामंडलेश्वर पद की उपाधि से विभूषित किया। उक्त अवसर पर श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अनि अखाड़ा के महासचिव श्री सत्यदेव दास जी व श्री नंदराम दास जी, हनुमानगढ़ी श्री गद्दीनशीन जी के उत्तराधिकारी डॉ महेश दास जी, निर्मोही अखाड़ा तथा दिगंबर अखाड़ा के वरिष्ठ संतजनों व चार संप्रदाय के पीठाधीश्वर एवं सभी पूज्य संत श्री महंत आदि की उपस्थिति में महेश योगी जी को श्री श्रीमहंत महामंडलेश्वर पद से विभूषित किया गया, उक्त अवसर पर उपस्थित विविध प्रान्तों के विविध ा संतजनों ने हर्षोल्लास के साथ स्वामी महेश योगी जी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। जिलाधिकारी

के द्वारा पाकशाला में जाकर बंदियों के लिए पकाए जा रहे खाने की गुणवत्ता की जांच की गई। उन्होंने जेल अस्पताल में जाकर बंदियों के स्वास्थ्य और उनके ईलाज के संबंध में जानकारी प्राप्त की और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.लक्ष्मी सिंह को निर्देशित किया कि बंदियो की नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराई जाए और इसके साथ ही बंदियों के दांत, आंख और कान की जांच भी कराई जाए और जिन्हें आवश्यक हो उन्हें चश्मा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी के द्वारा बुजुर्ग बंदियों सहित अन्य बंदियों से संवाद करते हुए उनसे पूछा गया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट, इंद्रनंदन सिंह, जेलर अजय कुमार, डिप्टी जेलर धर्मेंद्र सिंह भदोरिया, डॉ0 विनय कुमार राव, फार्मासिस्ट सतीश सहित अन्य उपस्थित रहे।

यातायात के नियमों का पालन एक दिन के लिए नहीं सदैव के लिए होना चाहिए : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । नगर हरिबंश सिंह फार्मेसी कालेज के प्रांगण में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएम डॉ दिनेश चंद्र व विशिष्ट अतिथि साई तेजा सीलम रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरटीओ एस के सिंह ने व संचालन सलमान शेख ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतथि जिलाधिकारी दिनेश सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । तदुपरांत जिलाधिकारी द्वारा यातायात सप्ताह के पूरे एक माह तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को प्रणाम पत्र देकर सम्मानित किया।साथ ही लोगों को यातयात के प्रति जागरूक रहने की भी सलाह दिया। इस मौके पर जिलाधि ाकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने कहा कि यातायात सुरक्षा माह का समापन आज किया जा रहे है। लेकिन हमको सुरक्षित रहने के लिए सदैव यातायात नियमों का पालन करना है। सड़क सुरक्षा पूरे महीने में जागरूकता के माध्यम से उसको यथार्थ की धरातल पर यातायात के नियमों का किस तरह से पालन हो इस पर इस पर लगातार 1 महीने से पुलिस विभाग यातायात विभाग व अन्य संबंध में विभाग कार्य कर रहे थे। आज उसके समापन का कार्यक्रम था इसके माध यम से संदेश दिया जा रहा है कि यातायात के नियमों का पालन करने का कोई समय नहीं होता है हमें प्रत्येक समय यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए जिससे हमारा सफर सुरक्षित हो यदि सफल सुरक्षित होगा तो तो जीवन सुरक्षित होगा किसी विषय को लेकर आज कार्यशाला का आयोजन किया गया है महाकुंभ में प्रवेश करने वाले सड़क मार्ग से जो आंकड़े हैं उसका लगभग 21: जौनपुर से होकर जाना है यातायात को श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था देने के लिए डिवाइडर लगाकर और अन्य तमाम तरीके से बेहतर व्यवस्था देने का प्रयास किया गया है यातायात के नियमों का पालन 1 दिन के लिए नहीं सदैव के लिए होना चाहिए।

पीडित ने लगाया जेई चौक व कर्मचारियों पर लगाया लूटपाट और साक्ष्य मिटाने का आरोप

अयोध्या। शुक्रवार को चौक बिजली घर में जूनियर इंजीनियर (जेई) नरेश चंद्र जायसवाल और 12 से 15 कर्मचारियों पर एक युवक के साथ मारपीट करने और उसकी सोने की चेन छीनने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित राकेश निषाद, पुत्र अश्वनी कुमार निषाद, निवासी महाजनी टोला, रिकाबगंज के मुताबिक इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।पीडित राकेश निषाद का आरोप है कि उसका घ4710 का बिजली बिल बकाया था, जिसके कारण 30 जनवरी 2025 को उसका बिजली कनेक्शन काट दिया गया।जब वह इस संबंध में बातचीत करने के लिए चौक बिजली घर पहुंचकर जेई नरेश चंद्र जायसवाल के चेंबर में गए, तो जेई ने बात करने से इनकार कर दिया और अपशब्द कहे।राकेश ने आरोप लगाया कि जब उसने इस पूरी घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की, तो जेई और अन्य 10–12 अज्ञात कर्मचारियों ने मिलकर उसे बेरहमी से पीटा। लोहे की रॉड से हमला कर उसे गंभीर अंदरूनी चोटें पहुंचाईं। पीड़ित का कहना है कि मारपीट के दौरान उसकी गले की करीब एक तोले की सोने की चेन भी छीन ली गई। साथ ही, उसका मोबाइल छीनकर वीडियो रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी गई, ताकि कोई सबूत न बचे। इस हमले में राकेश को चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। राकेश निषाद ने पुलिस प्रशासन से जेई नरेश चंद्र जायसवाल और अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, इस घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा जोरों पर है, और लोग बिजली विभाग के रवैये पर सवाल उठा रहे हैं। इस मामले में बिजली विभाग और पुलिस प्रशासन की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

संस्कृति और संस्कार बचाने के लिए भारत माता पूजन जरूरी : अमित मिश्र अमितेश

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से तहसील शाहाबाद में शुक्रवार को भारत माता पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देश की एकता एवम् अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प भी लिया।भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवम् पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए आरएसएस के अमित मिश्र ष्अमितेशष ने कहा कि भारतीय इतिहास को लेकर भ्रामक स्थिति पैदा करने वाले लोगों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए गांव–गांव में भारत माता का पूजन जरूरी है। इसके जरिए भारतीय सनातन संस्कृ ति और संस्कार को बचाया जा सकता है। कहा कि हम अपने देश को भारत माता कहते हैं। इस वैभव संपन्न भूमि पर राम और कृष्ण जैसी विभूतियों ने जन्म लिया।राम ने न सिर्फ रावण जैसे आततायी का वध किया वरन् शबरी के बेर खाकर समरसता का संदेश भी दिया। ऐसी पावन धरती पर बहुत सी बर्बर विदेशी ताकतों ने आक्रमण किए।इन्ही ताकतों ने देश की सनातन संकृति को नष्ट करने का प्रयास किया।यहां तक कि कुंभ जैसे महापर्व मनाने पर पाबंदी लगा दी गई।मगर सैकड़ों देशभक्तों के सर्वोच्च बलिदान एवम् पुरुषार्थ के चलते भारत फिर उठ खड़ा हुआ।ऐसे में नई पीढ़ी को अपनी प्राचीन संस्कृति से वाकिफ कराने और संस्कारों को बचाए रखने के लिए आरएसएस ने भारत माता पूजन का सिलसिला शुरू किया। कहा कि देश की स्वाधीनता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों को याद करने के लिए भारत माता पूजन बेहद जरूरी है। मौजूद लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसियेशन के अध्यक्ष राम गोविंद दीक्षित ने की।योग प्रशिक्षकध्अधिवक्ता सत्यम सक्सेना ने एकल गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अधिवक्ता वरुणेश मिश्र, प्रचारक आजाद, सुवीन, राम सनेही मिश्र, अनिल शुक्ल, बलराम दीक्षित, अनिल श्रीवास्तव, सत्येंद्र यादव, सौरभ त्रिवेदी, सौरभ दुबे, पीयूष पाठक, भरत, ज्ञानेंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

आरटीओ कार्यालय मे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ समापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह संभागीय परिवहन कार्यालय अयोध्या में संपन्न हुआ।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में परिवहन विभाग द्वारा जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्टेट होल्डर विभागों के साथ बैठक की गई।बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधि ात एक्शन प्लान बनाया गया जिसके अंतर्गत 10 जनवरी तक लोगों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया गया।इसके अंतर्गत ऐसे वाहन चालक जो यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे थे अथवा हेलमेट लगाकर नहीं चल रहे थे उनको गुलाब का पुष्प देकर जागरूक किया गया।11 जनवरी के बाद ऐसे वाहन चालक जो यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे थे उनके विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई की गई। गाना ढुलाई में लगे ट्रैक्टर ट्रालियों में रिफ्लेक्टर लगाए गया।परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के पहल पर जिलाधिकारी अयोध्या महोदय के स्तर से नो हेलमेट नो फ्यूल के संबंध में आदेश निर्गत करवाया गया ,अर्थात जो मोटरसाइकिल चालक हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चलाएंगे उन्हें पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 30: से अधिक दुर्घटनाओं में मृत्यु दो पहिया चालकों की होती है और इसका सबसे बड़ा कारण उनका हेलमट नहीं लगाना होता है ।इसलिए परिवहन विभाग का इस राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में मुख्य उद्देश्य रहा है कि दोपहिया चालक 100: हेल्मेट लगना शुरू करे। दो पहिया चालकों के 100: हेलमेट पहनने पर निश्चित रूप से हम सड़क दुर्घटनाओं एवं उसमें हो रही मृत्यु की संख्या में 50: की कमी लाने में सफल होंगे।समापन समारोह में संभागीय परिवहन अधि ाकारी प्रशासन रितु सिंह ,संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधि ाकारी प्रशासन राजेश प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में सभी को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों को अपने दैनिक जीवन में दृढ़ संकल्पित होकर अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दो दिवसीय , यू0पी0 कप ताइक्वान्डो प्रतियोगिता – 2025 संपन्न हुई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दो दिवसीय यू.पी, कप ताइक्वान्डो प्रतियोगिता 2025

दिनांक 30 व 31 जनवरी को बॉक्सिग हॉल, चौक स्टेडियम, चौक, लखनऊ में संपन्न हुई । ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 के मुख्य अतिथि ग्रैंड मास्टर डॉ0 जिम्मी आर जगतयानी जी रहे। प्रतियोगिता में खबर तक पुमसे वा फाइट की प्रतियोगिताएं हुई प्रतियोगिता के समापन पर पुरस्कार वितरण किया गया 20 स्कूलों के 450 बालक बालिकाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। ह्डै. के बच्चों द्वारा अच्छा प्रदर्शन रहा प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन मनोज कुमार शर्मा ब्लैक बेल्ट 4 डॉन ६ नेशनल रैफर, कोच इण्टरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट सचिव ताइक्वान्डो ट्रेनिंग स्कूल एकेडमी द्वारा किया गया।

केराकत में दिखा सिपाही का भयानक रूप महिला को घसीटकर निकाला घर से बाहर, वीडियो वायरल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। केंद्र व प्रदेश सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए क्या कुछ नहीं कर रही है लेकिन कभी–कभी कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आती है जो विचलित कर देती है। ताजा मामला केराकत कोतवाली क्षेत्र का है। यहां पर एक महिला को पुलिस द्वारा जमीन पर घसीटते हुए ले जाने का मामला प्रकाश में आया है जिसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत औरी गांव का बताया जा रहा है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे सिपाही महिला सिपाही के साथ महिला का हाथ पकड़कर घर से बाहर घसीटते हुए निकाल रहा है। कह रहे हैं कि तुम्हारी नौटंकी भुलवा देंगे। साथ ही महिला द्वारा ईंट से मारने की बात कही जा रही है जिस पर महिला कह रही है कि हम ईंट से नहीं मारे हैं। ये लोग गालियां देते हुए मारने के लिए दौड़े रहे थे, मगर सिपाही द्वारा बार–बार ईंट से मारने का आरोप महिला पर लगाते सुना जा सकता है। इस पर महिला ईंट से मारने की बात को नकार रही है और अपने बच्चों की कसम भी खाते दिखाई पड़ रही है।

जमीन पर घसीटती हुए महिला की साड़ी का पल्लू नीचे गिर गया। बावजूद इसके भी महिला को पुलिस द्वारा घसीटा जा रहा था। भीड़ में खड़े किसी ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर एक बार फिर केराकत पुलिस की जमकर किरकिरी हो रही है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि हम नहीं कर रहे हैं। क्षेत्र के औरी गांव निवासी पारसनाथ यादव व मेवालाल यादव के बीच काफी समय से भूमि विवाद चला आ रहा है जिसकी दर्जनों शिकायतें दर्ज होने के बाद नायब तहसीलदार अमित सरोज के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम में घूर व गड्ढा खाते की भूमि पर कब्जा हटवाने गई थी। इसी दौरान घटी घटना का वीडियो है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। औरी गांव निवासी मीना देवी पत्नी हीरा लाल यादव ने बताया कि विवादित जमीन की नापी करने के लिए टीम आई थी तो हमारे घर कोई नहीं है, इसीलिए नापी करने से मना कर रहे थे जिस पर मौजूद नायब तहसीलदार हमें मौके से भाग जाने की बात कहे जिसके बाद मैं घर में चली गई। कहासुनी हो रही थी। इतने में मिथलेश सिपाही महिला सिपाही के साथ घर में घुस मारपीट करते हुए घर से बाहर लाए। तत्पश्चात थाने लाकर न्यायालय भेज दिया गया जिसके बाद मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी से मेडिकल कराने को लेकर पत्रक सौंपा गया ।

डीएम से मिला न्याय का आश्वासन

दिव्यांग हरिशंकर यादव ने बताया कि मेरे सामने ही मेरी मां को मिथलेश सिपाही द्वारा माराकृपीटा गया। मैं चीखताकृचिल्लाता रहा। जब मेरी मां को जमीन पर घसीटते हुए बाहर लाया गया तो हर कोई वीडियो बनाने लगा जिसके बाद मेरी मां को थाने लाकर न्यायालय भेज दिया गया। इसके बाद जिलाधिकारी के पास पहुंचकर पत्रक सौंप न्याय की गुहार लगाई गई जिस पर जिलाधिकारी ने न्याय का आश्वासन दिया।

हम लोग अपने मड़हे में कैसे लगा सकते हैं आग?

मढ़हे में लगी आग को लेकर काजू यादव ने बताया कि जिस मड़हे में आग लगी थी, वह मेरा मड़हा है और हम लोग अपने ही मड़हे में कैसे आग लगा सकते है। जिस समय बुलडोजर की कार्यवाही हो रही थी, उस समय राजस्व विभाग द्वारा कहा गया कि मड़हे में रखा सामान बाहर निकाल लो उस पर बुलडोजर चलेगा। इसके कारण हम लोग आनन फानन ने मड़हे से सामान निकाल रहे थे कि मड़हे ने लगे स्टार्टर के तार के खिंचाव से शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी से आग लग गई जिस पर प्रशासन द्वारा आग पर काबू पाया गया।

महिला को घर से बाहर घसीटते हुये लाना गलत

वायरल वीडियो को लेकर औरी गांव के पूर्व प्रधान राजेश सिंह ने कहा कि नायब तहसीलदार के नेतृत्व में जो टीम मौके पर पहुंचकर नापी करके बुलडोजर चलाया गया, वह गलत है। जिस काम के लिए टीम वहां पर गई थी, वह काम न करके मेवा लाल के कब्जे में जो जमीन थी, उसे ही हटवा दी। साथ ही जिस तरह एक महिला को उसके घर से घसीटते हुए बाहर लाया गया, वह सभ्य समाज व कानून के रूप में गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।

42 लॉकर लूटने में पुलिस की मिली-भगत आई सामने

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट में इंडियन ओवरसीज बैंक के 42 लॉकर काटकर करोड़ों की चोरी के मामले में पुलिसकर्मियों का खेल उजागर हुआ है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने पूरी स्वॉट टीम को भंग कर दिया है। सभी 13 पुलिसकर्मियों का अलग–अलग ट्रांसफर किया गया है। सूत्रों का कहना है कि बदमाशों से जेवर बरामद करने के बाद कुछ पुलिसकर्मियों ने लाखों का सोना पार कर दिया था। इनमें दरोगा समेत तीन पुलिसकर्मी ऐसे हैं, तो खुलासे के अगले ही दिन छुट्टी पर चले गए थे। डीसीपी पूर्वी के मुताबिक लंबे समय से स्वॉट टीम में तैनात पुलिसकर्मियों को हटाया गया है। सर्विलांस सेल और स्वॉट टीम को जनहित में तत्काल प्रभाव से भंग किया गया है। इनके खिलाफ शिकायतें आ रही थीं। मामले की जांच एडीसीपी पूर्वी को सौंपी गई है। सोना चोरी का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि लॉकर काटकर चोरी के बाद स्वॉट टीम में तैनात दरोगा सतीश कुमार, सिपाही अजय कुमार, मनोज कुमार सिंह और हितेश सिंह दबिश के लिए गाजीपुर जिले में गए थे। इन लोगों ने कार बाजार से एक गाड़ी ली थी। चारों ने गाजीपुर जाकर बदमाशों से सात बैग जेवर बरामद किए। वहीं, गाजीपुर पुलिस ने दो बैग जेवर बरामद किया। चारों पुलिसकर्मी बरामदगी के बाद लखनऊ लौट आए। इसके बाद दरोगा सतीश, सिपाही हितेश और अजय छुट्टी पर चले गए थे। पूरे मामले के राजफाश के बाद सोने का मिलान किया गया तो गड़बड़ी सामने आई। बैंक और ग्राहकों के बीच खींचतान होने लगी। बैंक ने पुलिस से बरामद जेवर और सोने की सूची से मिलान किया तो लाखों का सोना कम पाया गया। इसके बाद से बरामदगी करने वाले पुलिसकर्मी संदेह के घेरे में हैं। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पूरी टीम को भंग करने के आदेश जारी किए गए। चर्चा है कि जिन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, उनके पास से भी कीमती जेवर बरामद हुए। दरअसल, जेल में प्रवेश से पहले हर व्यक्ति की चेकिंग की जाती है। गोसाईगंज की जेल पुलिस ने बदमाशों की चेकिंग की तो उनके कॉलर में छिपाए गए कीमती जेवर मिले। इसके बाद जेवर उतरवाकर पुलिस को सूचित किया गया। दरोगा सतीश कुमार, रंजीत कुमार, अनुज सिंह हेड कांस्टेबल परशुराम राय, हरिकिशोर, कांस्टेबल विशाल कुमार, हितेश सिंह, राहुल पांडेय, अजय कुमार, सचिन तोमर, विमल चंद्र पाल और महिला सिपाही शिल्पी पांडेय। चिनहट में इंडियन ओवरसीज बैंक में 21 दिसंबर को बदमाशों ने सेंधमारी की थी। 42 लॉकर काटकर करोड़ों रुपये के जेवर, सोना, चांदी और नकदी पार कर ले गए थे।

डॉ एके सिंह बने जिला चिकित्सालय के नए कार्यवाहक सीएमएस

अयोध्या। डा ए के सिन्हा जिला अस्पताल के नये कार्यवाहक सीएमएस बने। कार्य ग्रहण करने के दौरान उन्होंने बताया कि यहां पर इलाज कराने आने वाले मरीजों की सुविध ाओं का विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोशिश यही रहेगी बाहर से दवाएं मरीजों के परिजन को ना लाना पड़े।उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिला चिकित्सालय परिसर में माहौल को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों से शक्ति से निपटा जाएगा। इसके अलावा वहां पर तैनात चिकित्सकों व कर्मियों की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बताते चले कि नवागत सीएमएस डॉक्टर सिन्हा जनरल सर्जन हैं।उनके इस पद पर तैनाती होने पर डॉ आरबी वर्मा,डा वीरेंद्र वर्मा,डा आशीष श्रीवास्तव समेत अन्य चिकित्सकों ने उन्हें बधाई दिया। मालूम हो कि इससे पहले इस चिकित्सालय के कार्यवाहक सीएमएस डॉ. उत्तम कुमार शुक्रवार को सेवानृवित्त हो गये।

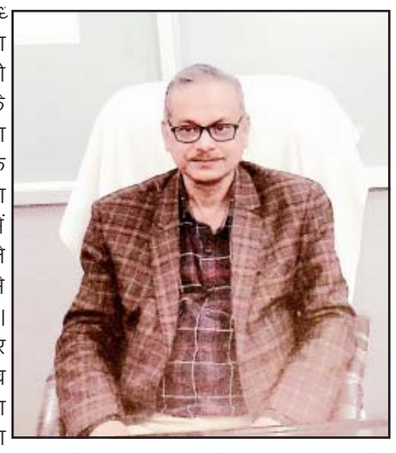

इंटर कॉलेज गेट के सामने छात्र को मारी गोली, हालत गंभीर ,ट्रामा सेंटर रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । श्री गणेश राय इंटर कॉलेज गेट के सामने शुक्रवार दोपहर ग्यारहवीं की परीक्षा देकर बाहर निकल रहे छात्र को दो की संख्या में आये बदमाशो ने गोली मार दी। आसपास खड़े दर्जनों की संख्या में छात्र छात्राएं जब तक कुछ समझ पाते तब तक बदमाश पैदल कुछ दूर भाग कर बाइक से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व विद्यालय के अध्यापकों ने उसे सीएचसी ले आए जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। गोली छात्र को गले में लगीं थीं। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात रहा। बोड़सर गांव निवासी देवेंद्र सिंह पुत्र आदर्श सिंह (17)श्री गणेश राय इंटर कॉलेज में ग्यारहवीं का छात्र है। वह परीक्षा देकर बाहर निकला ही था कि दो संख्या में पैदल आए बदमाशों ने उसे लक्ष्य कर गोली चला दी। गोली उसके गर्दन में लगीं वह लहूलुहान हो गिर पड़ा।आसपास खड़े दर्जनों की संख्या में खड़े छात्र कुछ समझ पाते बदमाश पैदल भाग कुछ दूर खड़ी बाइक से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व अध्यापक छात्र को सीएचसी ले गए जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। चंदवक अन्तर्गत श्री गणेश राय पी .जी .कॉलेज कर्रा के पास छात्रों के बीच हुए विवाद में गोली चलने की घटना में घायल छात्र आदर्श सिंह के परिजन की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु 03 टीमें गठित कर लगायी गयी है।

मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर जिला पंचायत अध्यक्ष अयोध्या रोली सिंह का निशाना

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव पर अयोध्या की जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने डिंपल यादव पर अपनी ही पार्टी की महिला मोर्चा की अनदेखी करने का आरोप लगाया।जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी महिला सशक्तिकरण की बातें तो करती है, लेकिन जब सम्मान देने की बारी आती है तो अपनी ही महिला नेताओं को नजरअंदाज कर देती है। उन्होंने कहा, "डिंपल यादव महिलाओं के हक की बात करती हैं, लेकिन क्या उन्होंने कभी अपनी ही पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं का सम्मान किया?" रोली सिंह ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी सवाल उठाए और कहा कि पार्टी के अंदर महिलाओं की भागीदारी केवल दिखावे के लिए रखी गई है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर मेहनत करने वाली महिलाएं जब नेतृत्व से उम्मीद रखती हैं, तो उन्हें उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। रोली सिंह ने भाजपा सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार महिलाओं को सम्मान देने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।" रोली सिंह के इस बयान के बाद अयोध्या और मैनपुरी की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सपा के नेताओं की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान भाजपा और सपा के बीच सियासी टकराव को और बढ़ा सकता है।

राजभवन प्रागंण लखनऊ में 07 से 09 फरवरी तक आयोजित होगी फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 31 जनवरी जिला उद्यान अधिकारी डॉ सीमा सिंह राणा द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी राजभवन प्रांगण, लखनऊ में 07 से 09 फरवरी 2025 को प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के इच्छुक कृषक अपने फल, शाकभाजी एवं पुष्प के उत्कृष्ट कोटि के नमूनों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने हेतु बेवसाइट ीजजचेरूध्ध्नचसिवूमतीवूसाव,बवउध् पर पंजीकरण कराकर आनलाइन शुल्क रू0 5 प्रति प्रदर्श जमा करने के पश्चात प्रविष्टि कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुरस्कार हेतु प्रदर्शनी का निरीक्षण 06 फरवरी 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे किया जायेगा। कृषकों को 06 फरवरी 2025 को सुबह तक प्रविष्टियां निर्दिष्ट स्थान पर लगानी होंगी। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत वर्ग में विशेष पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार रू0 51000 (रूपया इक्यावन हजार) द्वितीय पुरस्कार रू0 31000 (रूपया इक्तीस हजार) तृतीय पुरस्कार रू0 11000 (रूपया ग्यारह हजार) एवं सभी वर्ग में सर्वोत्तम पुरस्कार 11000 (रूपया ग्यारह हजार) देय होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनी हेतु दिशा-निर्देश एवं श्रेणी आदि से सम्बन्धित सहायता के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर कार्यालय अथवा प्रदर्शनी प्रभारी सत्यमान सिंह मोबाइल नम्बर 7007284234 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

बी. फार्मेसी में प्रवेश के लिए ऑन–लाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय 2024–25 के लिए बी. फार्मेसी प्रथम वर्ष में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट ब्न्म्ज 2024–25 काउंसलिंग के बाद खाली सीटों पर इच्छुक उम्मीदवारों को सत्र 2024–25 के लिए पहले वर्ष में बी. फार्मेसी में प्रवेश के लिए ऑन–लाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। ऑनलाइन पंजीकरण 1–2–2025 से शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 8–02–2025 है। 11 फरवरी को सुबह 11रू00 बजे फार्मेसी विभाग में काउंसलिंग आयोजित किया जाएगा। सरकारी नियमों के अनुसार आरक्षण लागू होगा। ब्न्म्ज–2024 योग्य उम्मीदवारों के लिए वरीयता दी जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय में महात्मा गाँधी को पुण्यतिथि पर किया गया नमन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी के शहीद दिवस पर गांधी वाटिका में उनकी मूर्ति पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया । इस अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन अत्यंत सरल था उन्होंने सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की कामना की । गांधी जी ने देश की सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया।वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि महात्मा गांधी जी के जीवन दर्शन से हमें सीख मिलती है कि सादगी से भरा जीवन ही हमें सच्चा सुख दे सकता है। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए । गांधी जी एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहाँ हर व्यक्ति समानता, सद्भाव और न्याय के साथ जीवन व्यतीत कर सके । प्रो. विक्रम देव ने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी के सपनों का भारत बनाने हेतु संकल्पित होना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी । वे सत्य अहिंसा,स्वदेशी, ग्राम स्वराज के प्रबल समर्थक पक्षधर एवं प्रचारक थे । कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया । इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, एनएसएस समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, उपकुलसचिव अजीत सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज पाण्डेय, डॉ अमित मिश्र समेत विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं का रखा जा रहा विशेष ध्यान - राजेंद्र पांडव

पीपी साइज

अयोध्या। मौनी अमावस्या के बाद से श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ रामनगरी की ओर आ रही है। परंतु जिला व पुलिस प्रशासन की सूझबूझ के चलते रामनगरी में श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन भी करते हुए देखा जा रहा है। एक और जहां एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के अलावा अन्य होल्डिंग क्षेत्र में संबंधित जिला प्रशासन व पुलिस पुलिस प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी श्रद्धालुओं की सुविधा में कोई कर कम नहीं छोड़ रहे हैं वही रामनगरी में एडिशनल एसपी डॉ राजेश तिवारी श्रद्धालुओं पर पुष्प बढ़ता वर्षा करते हुए दिखाई दिए। इसके अलावा सहायक सुरक्षा आयुक्त लखनऊ राजेंद्र पांडव ने ने निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल हरीश शाही उनकी टीम के साथ रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन पर सर पर किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए पिछले एक सप्ताह से अयोध्या कैंट में कैंप किए हुए हैं। उन्होंने बताया कि अगर देखा जाए केवल अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर ही यहां पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों के अलावा 80 से अधिक अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी बाहर से मंगाए गए हैं। बताया कि मौनी अमावस्या के बाद से श्रद्धालुओं की भीड़ यहां पर अधिक संख्या में देखी जा रही है। इन यात्रियों की सुविधा के लिए उन्होंने पांच कुल मिलाकर 10 टीमों का गठन किया है जिसमें एक टीम में 10 सदस्य शामिल हैं। इनके अलावा अन्य कर्मचारी लाउडस्पीकर के माध्यम से स्टेशन परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं और रेल यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान पर जाने की भी सलाह देने की बात कही। उन्होंने बताया कि कर्मियों को सख्त निर्देश है कि वह श्रद्धालुओं से किसी भी तरह का अप्रिय व्यवहार ना करें बल्कि शालीनता के साथ पेश जाकर होने बाहर तथा उनके गंतव्य स्थान पर जाने वाले ट्रेनों पर बैठाएं। बताया कि अराजक तत्वों पर नकेल कसने के लिए सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पूरे रेलवे पर सर की निगरानी भी की जा रही है।

वन विभाग के अधिकारियों ने पकड़ा 178 संरक्षित कछुओं की खेप

ब्यूरो सुलतानपुर

सुल्तानपुर । कोइरीपुर के निकट रेलवे स्टेशन से पश्चिम बंगाल कछुओं को भेजने की तस्करी का हुआ भंडाफोड़। लंभुआ रेंजर गौरव सिंह ने किया खुलासा। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पकड़ी इलाके के नाबालिक किशोर अवैध तस्करी में शामिल, पेश किए गए किशोर न्यायालय। डीएफओ अमित सिंह बोले,कछुओं को प्राकृतिक आवास गोमती नदी में छोड़ने की चल रही तैयारी।तस्करों के खिलाफ की जाएगी वन विभाग के अधिनियम के तहत कार्रवाई।

शहर के इन 83 अवैध अपार्टमेंट पर चलेगा बुलडोजर, नोटिस हुई जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ शहर के उदयगंज के क्ले क्वॉयर अपार्टमेंट सहित शहर में बने 83 अवैध अपार्टमेंटों को ध्वस्त करने की तैयारी है। एलडीए ने इन सभी में कब्जा खाली करने के लिए 15 दिन का नोटिस दिया है। ये सभी अपार्टमेंट बीते 20 वर्षों के दौरान बने हैं। इनमें लोग रह भी रहे हैं। अवैध निर्माण को लेकर हाईकोर्ट की सख्ती को देखते हुए एलडीए ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तैयारी की है। जिन 81 अवैध अपार्टमेंट को गिराए जाने के लिए एलडीए ने नोटिस जारी किए हैं, वो शहर के अलग अलग इलाकों में बने हैं। एलडीए से इनके मानचित्र पास नहीं हैं। पूर्व में भी एलडीए इनको ध्वस्त करने के आदेश जारी कर चुका है। किसी का ध्वस्तीकरण आदेश साल 2002 का है तो किसी का 2010 और 2012 का, लेकिन तब एलडीए ने कार्रवाई नहीं की। अवैध अपार्टमेंटों को चिह्नित करने का काम एलडीए ने वर्ष 2012 में दायर एक जनहित याचिका के बाद 2014 में किया था। उस समय सूची तो बनी मगर ध्वस्तीकरण नहीं किया गया। जानकारों का कहना है कि उस समय एलडीए ने कागजी खानापूरी के लिए उदयगंज के क्ले स्क्वॉयर अपार्टमेंट में कुछ निर्माण तोड़ा था। हालांकि इसके बाद फिर कोई कार्रवाई नहीं की। अब गोमती नगर के विभूति खंड में एक बिल्डिंग में अवैध निर्माण के मामले में हाईकोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। एलडीए अफसरों को अब कार्रवाई का डर सता रहा है। इसी डर में करीब 10 साल पहले बनी अवैध अपार्टमेंटों की सूची फिर से निकाली गई है। इन्हें फिर से ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें कोई अपार्टमेंट चार मंजिला है तो कोई पांच से छह मंजिला। जिन अपार्टमेंट को एलडीए ढहाएगा, उनमें रहने वाले के लिए एलडीए कुछ नहीं करेगा। न तो उनको कोई मुआवजा दिया जाएगा, न ही विस्थापित के तौर पर कोई जगह रहने के लिए दी जाएगी। एलडीए के एक अफसर ने कहा कि यह अवैध बिल्डिंग का मामला है। इसके लिए वो जिम्मेदार हैं जिन्होंने फ्लैट बनाकर बेचे और खरीदे। जो रह रहे हैं वह उस बिल्डर से बात करें, जिससे फ्लैट खरीदा है। एलडीए ने जो 83 अपार्टमेंट अवैध घोषित किए हैं।

भरे गले से सीएम योगी ने बताई घटना, हादसे की तह तक जाने का दिलाया भरोसा

लखनऊ, (संवाददाता)। महाकुंभ में हुई भगदड़ में तीस लोग मारे गए। अभी भी 60 लोगों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। इस घटना पर सीएम ने प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को मुख्य सचिव और डीजीपी भी प्रयागराज जाकर घटना की समीक्षा करेंगे। महाकुंभ हादसे को लेकर बुधवार देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पत्रकारों से वार्ता करते हुए भावुक हो गए। घटना का जिक्र करते हुए उनका गला रुंध गया और आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा, भारी भीड़ और बैरिकेड्स टूटने के कारण यह दुखद हादसा हुआ। मुख्यमंत्री ने हादसे की न्यायिक जांच के आदेश देते हुए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार होंगे, जबकि पूर्व डीजी वी. के. गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डी. के. सिंह को आयोग में शामिल किया गया है। यह आयोग एक समय सीमा के अंदर अपनी रिपोर्ट देगा। पुलिस भी मामले की जांच करेगी और हादसे के कारणों की गहराई से पड़ताल की जाएगी। यही नहीं, गुरुवार को मुख्य सचिव और डीजीपी भी प्रयागराज

जाकर घटना की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा, प्रशासन ने कई दौर की समीक्षा बैठकें की थीं, फिर भी यह हादसा कैसे हुआ? इसकी गहन जांच होगी। सरकार ने मृतकों के परिवारों को 25–25 लाख की सहायता राशि देने की भी घोषणा की है। इसके अतिरिक्त मुख्य सचिव और डीजीपी को गुरुवार को घटनास्थल का दौरा कर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। वे हालात का जायजा लेंगे और रिपोर्ट सौंपेंगे। घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भावुक हो गए और बोले, व्यापक तैयारियों के बावजूद यह हादसा बेहद दुखद है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि मंगलवार शाम 7 बजे से ही काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन प्रयागराज पहुंचकर स्नान भी कर रहे थे और काफी बड़ी संख्या में ब्रह्म मुहूर्त का भी इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अखाड़ा मार्ग पर संगम तट पर यह हादसा हुआ। यह हादसा भारी भीड़ के द्वारा अखाड़ा मार्ग के बैरिकेड्स को तोड़ने और उसके बाद उससे कूदकर जाने के कारण हुआ है, जिसमें 30 लोगों की मृत्यु हुई है। 36 घायलों का प्रयागराज में उपचार चल रहा है। शेष घायलों को उनके परिवार से सदस्य लेकर चले गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज में बुधवार को 8 करोड़ से अधिक लोगों का दबाव था। यद्यपि अगल बगल के जनपदों मिर्जापुर, भदोही, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, में भी होल्डिंग एरिया बनाकर श्रद्धालुजनों को रोका गया था, जिन्हें अखाड़ों का अमृत स्नान संपन्न होने के बाद रिलीज किया गया है। रेलवे स्टेशनों पर भी लगातार दबाव बना रहा। रेलवे ने भी इस दौरान रूटीन और मेला स्पेशल को मिलाकर लगभग 300 से अधिक ट्रेनें चलाई हैं। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने भी 8000 से अधिक बसें संचालित की हैं। ये सभी घटनाएं मर्माहत करने वाली भी हैं और एक सबक भी हैं, लेकिन हादसे की तह में भी जाने की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज–अयोध्या राजमार्ग

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह व जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा महाकुंभ–2025, के दृष्टिगत प्रयागराज–अयोध्या राजमार्ग, हलियापुर बार्डर पर तीर्थयात्रियों के आवागमन के दृष्टिगत यातायात हेतु

रूट डायवर्जन,कानून व्यवस्था आदि का भ्रमणशील रहकर जायजा लिया गया । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा निरीक्षण के दौरान यातायात डायवर्जनध्सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षणध्भ्रमण किया गया एवं सम्बन्धित को सतर्क दृष्टि रखने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

श्रद्धालुओं से भरी बस और डंपर में भीषण टक्कर, एक श्रद्धालु की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में पूराकलंदर थाना क्षेत्र के रायबरेली हाईवे पर बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं से भरी बस और डंपर में भीषण टक्कर हो गई। इस घटना में एक श्रद्धालु की मौत हो गई। जबकि सात श्रद्धालु घायल हो गए। इसमें दो की हालत नाजुक है। उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। अन्य घायल श्रद्धालुओं का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसा नौगवा कुआं के पास हुआ। बस में कुल 22 श्रद्धालु सवार थे और सभी तेलंगाना के निवासी हैं।

हादसे के बाद इस तरह अफसरों ने संभाला मोर्चा, डीजीपी के आदेश के बाद ऐसे सुधरे हालात

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे के बाद डीजीपी मुख्यालय हरकत में आ गया। डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने रात में ही मोर्चा संभालते हुए प्रयागराज व आसपास के जिलों के अफसरों को एहतियाती सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश देने शुरू कर दिए। इससे प्रयागराज में भीड़ का दबाव कम करने में काफी हद तक सफलता मिली। डीजीपी के निर्देश पर प्रयागराज जाने वाले आसपास के जिलों के रास्तों को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया और श्रद्धालुओं को होल्डिंग एरिया में ही रोक लिया गया। इससे प्रयागराज में भीड़ का दबाव कम होने लगा। वहीं, मेला प्रशासन से स्नान कर चुके श्रद्धालुओं को वैकल्पिक मार्गों से वापस भेजने का प्रबंध करने को कहा गया, जिसके बाद संगम नोज पर भीड़ को नियंत्रित करने में सफलता मिली। वाराणसी और अयोध्या में भी पुलिस अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। दोनों शहरों में भी वाहनों के भीतर आने पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराने के निर्देश दिए गए। दोनों धार्मिक शहरों की ओर उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने की कवायद देर रात तक जारी रही। बृहस्पतिवार को भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने के कहा गया है। महाकुंभ में बीती रात हुए 30 श्रद्धालुओं की मौत की घटना की जांच न्यायिक आयोग करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग से जांच कराने का आदेश दिया है।

रोपवे का ट्रायल रन शुरू, साजन के पास ट्रॉली देखने के लिए लगी भीड़

वाराणसी, (संवाददाता)। देश के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का ट्रायल रन शुरू हो गया है। इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। साजन के पास रोपवे की ट्रॉली की आवाजाही को देखने के लिए लोग इकट्ठा हो रहे हैं। हालांकि पहले चरण के काम को पूरा होने में अभी पहले की तय समय सीमा से आठ महीने अधिक का समय लगेगा। पहले निर्माण को मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य था जिसे बढ़ा कर नवंबर 2024 किया गया था। फरवरी में होने वाले ट्रायल रन की टेस्टिंग की जा रही है। रोपवे के लिए पहले चरण में तीन स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसमें पहला कैंट स्टेशन परिसर, दूसरा काशी विद्यापीठ और तीसरे का निर्माण रथयात्रा स्थित थियोसोफिकल सोसाइटी परिसर में निर्माण हो रहा है। स्टेशन और टावरों के निर्माण में 1200 से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं। दिन–रात काम कराया जा रहा है। भारत माता मंदिर परिसर में काम तेजी से कराया जा रहा है। यहां पहला फ्लोर कोर्स पूरा हो गया है। इसके अलावा ऊपर के निर्माण कराए जा रहे हैं। पाइल कैपिंग का काम पूरा हो चुका है। रथयात्रा स्टेशन पर भी पाइलिंग और पहले फ्लोर कोर्स का काम पूरा हो चुका है। कार्यदायी संस्था के अभियंताओं के मुताबिक विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन में पहले चरण का 60 फीसदी काम मार्च तक पूरा हो जाएगा।

रूस के पर्यटकों ने स्वच्छता के लिए किया जागरूक

वाराणसी, (संवाददाता)। नमामि गंगे के स्वच्छता अभियान से जुड़कर रूसी पर्यटकों ने स्वच्छता की अलख जगाई। गुरुवार को नमामि गंगे की टीम द्वारा दशाश्वमेध घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में रूस से पधारे विदेशी पर्यटकों ने भागीदारी की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता स्लोगन लिखी तख्तियां उठाईं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में विदेशी पर्यटकों ने शहम नहीं रुकेंगे– हम स्वच्छ करेंगे, हर हर महादेव, हर हर गंगे, नमामि गंगे के उद्घोष से वातावरण को स्वच्छ और भक्तिमय बना दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।